'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' अवार्ड्स का वितरण

मुंबई। क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सीएसआर शाखा, क्विक हील फाउंडेशन ने 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' अवार्ड्स 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उन संस्थानों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के समर्पित प्रयासों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने भारत में साइबर सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस खास मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. प्रकाश महानवर और क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री अनुपमा काटकर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा, क्विक हील की लीडरशिप टीम के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. कैलाश काटकर, संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संजय काटकर, और सीईओ श्री विशाल साल्वी भी उपस्थित रहे।

'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' पहल युवाओं को जरूरी डिजिटल और नेतृत्व कौशल से सशक्त बनाने पर जोर देती है। यह उन्हें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक मंच भी देती है। यह कार्यक्रम 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को साकार करने में मदद करता है, खासकर उन समुदायों के लिए जो अब तक इस पहल से दूर रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, वर्कशॉप, और डिजिटल अभियानों जैसे अनोखे तरीकों से यह पहल अब तक लाखों लोगों तक पहुंच चुकी है।

इसका असर 120 से अधिक संस्थानों के साथ साझेदारी, 4600 से ज्यादा साइबर वॉरियर्स को प्रशिक्षण, और 55.92 लाख से अधिक स्कूली और कॉलेज के छात्रों को जागरूक करने में साफ दिखता है। 'अर्न एंड लर्न' प्रोग्राम के तहत इस पहल ने 12 राज्यों में अपनी पहुंच बनाई है, जबकि नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से 13 राज्यों में लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 4, 5, 8, 9, 10, और 17 के अनुसार, यह पहल डिजिटल साक्षरता की कमी को दूर करने और सुरक्षित तथा जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है।

इस साल के अवार्ड्स में उन शिक्षकों, क्लब ऑफिसर्स और संस्थानों के योगदानों की सराहना की गई, जिन्होंने साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने में बेहतरीन नेतृत्व और समर्पण दिखाया।